मॉ का दरबार है यह, यहॉ मॉ का ठिकाना

मॉ का दरबार है यह, यहॉ मॉ का ठिकाना है।
मॉ के चरणों में हमें, सब ही को आना है ।। टेर ।।

देवों के राजा जो यहॉ बैठे गजानन्द हैं
बैठे गजानन्द जहॉ वहॉ आनन्द ही आनन्द है
करना है तो काम कोई, पहले इनको मनाना है ।। मॉ का ।।

मारूति बजरंग बली दया भक्तों को इनकी मिली
जो भी शरण आये बजरंग करते हैं सबकी भली
भक्ति का अभय वरदान, बजरंग से पाना है ।। मॉ का ।।

भाग्य विधाता है शिव जो दुनिया के दाता है
धर्मपाल यहॉ पर तुझे शीश झुकाता है
माताओं की माता तुम, तेरी शरण में आना है ।। मॉ का ।
श्रवण बठला
करनाल
98123!2426

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2615/title/maa-ka-darbar-hai-ye-yaha-maa-ka-thikana-hai-main-ke-charno-me-hune-sab-hi-ko-ana-hai-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |